Media/Lko/022/2017

अमर उजाला
लखनऊ
शनिवार, 15 अप्रैल 2017
2

यूपी में चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन

महाराष्ट्र को पीछे छोड़ शुगर प्रोडक्शन में बना नंबर-1

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ।

पूरे देश में चीनी का उत्पादन भले ही गिरा हो, लेकिन यूपी ने शुगर प्रोडक्शन का रिकॉर्ड बनाया है। पहली बार यूपी चीनी उत्पादन में देश में नंबर वन बना है। सूबे में अब तक पिछले साल के मुकाबले 17 लाख टन ज्यादा चीनी का उत्पादन हो चुका है।

प्रदेश में चालू सत्र में 116 चीनी मिलों ने गन्ना पेराई की है। इनमें 91 निजी, 24 सहकारी और एक चीनी निगम की मिल है। इनमें 49 निजी और 11 सहकारी मिलों का पेराई सीजन खत्म हो चुका है, जबकि अन्य मिलों में अब भी पेराई चल रही है। इन मिलों ने 13 अप्रैल तक 7963.89 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई करके 842.44 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है। बीते साल इसी अवधि में 117 चीनी मिलों ने 6368.35 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई कर 675.21 लाख क्विंटल चीनी बनाई थी। पिछले साल कुल 68 लाख टन चीनी उत्पादन हुआ था। यह पहला मौका है जब यूपी ने महाराष्ट्र से करीब दोगुनी चीनी का उत्पादन किया है। लंबे समय से गन्ना उत्पादन में पहले नंबर पर रहने के बावजूद यूपी चीनी उत्पादन में नंबर-2 पर रहता था। तमिलनाडु व गुजरात समेत अन्य राज्यों में भी इस बार चीनी का प्रोडक्शन कम हुआ है।

पिछले साल से 17 लाख टन ज्यादा उत्पादन, 56 मिलों में अब भी चल रही पेराई

23 तक बकाया भुगतान की चुनौती

सीएन योगी आदित्यनाथ ने चीनी मिलों को मौजूदा पेराई सत्र का बकाया भुगतान 23 अप्रैल कर करने के निर्देश दिए हैं। मिलों पर किसानों का कुल 5548 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य बकाया है। ऐसे में 14 दिन पूर्व आपूर्ति किए गए गन्ने का भुगतान 23 अप्रैल तक करना किसी चुनौती से कम नहीं है।

विदेशों से चीनी मंगाने का विरोध : शुगर इंडस्ट्री के लिए चालू पेराई सत्र बहुत मुफीद रहा है। अब तक प्रति क्विंटल गन्ने में चीनी की रिकवरी 10.58 किलोग्राम है। चीनी के रेट भी अब तक ठीक ही रहे हैं। ऐसे में ज्यादा चीनी उत्पादन से ज्यादा लाभ यूपी को मिलने का अनुमान है। यूपी की शुगर इंडस्ट्री को विदेशों से चीनी मंगाने से झटका लग सकता है। केंद्र सरकार के विदेशों से चीनी मंगाने के फैसले का भाकियू ने विरोध किया है। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है।

शुगर रिकवरी में मध्य यूपी अव्वल : सूबे में चीनी का औसत परता (शुगर रिकवरी) 10.58 फीसदी है। इसमें वेस्ट यूपी में रिकवरी 10.32 प्रतिशत, पूर्वी यूपी में 10.27 प्रतिशत और मध्य यूपी में सर्वाधिक 10.90 प्रतिशत रिकवरी रही। सर्वाधिक 40 लाख टन चीनी उत्पादन भी मध्य यूपी में हुआ है। मध्य यूपी में कुल 53 चीनी मिलें हैं। इनमें से 28 मिलों की पेराई खत्म हो चुकी है।